मत कर तू अभिमान रे बंदे जूठी तेरी शान रे

मत कर तू अभिमान रे बंदे, जूठी तेरी शान रे ।
मत कर तू अभिमान ॥

तेरे जैसे लाखों आये, लाखों इस माटी ने खाए ।
रहा ना नाम निशान रे बंदे, मत कर तू अभिमान ॥

माया का अन्धकार निराला, बाहर उजला अन्दर काला ।
इस को तू पहचान रे बंदे, मत कर तू अभिमान ॥

तेरे पास हैं हीरे मोती, मेरे मन मंदिर में ज्योति ।
कौन हुआ धनवान रे बंदे, मत कर तू अभिमान ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/220/title/mat-kar-tu-abhimaan-re-bande-jhooti-teri-shaan-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |